रेलगाड़ियों में बड़ी संख्या में मजदूरों के आवागमन के कारण अत्याधिक भीड़-भाड़ रहती है और उन्हें सामान्य डिब्बों में खड़े होने की जगह भी नहीं मिलती है;

(ख) क्या सरकार इन रेलगाड़ियों में सामान्य डिब्बों की संख्या बढ़ाने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ):

(क) जी हां, कुछ अवसरों पर।

(ख) और (ग) जी नहीं, बहरहाल विवाह और गर्मियों के व्यस्त मौसम के दौरान, 1994-95 में पटना-कुर्ला, बरौनी-दिल्ली, जम्मू, हवड़ा-बम्बई-बड़ोदा के बीच विशेष गाड़ियां चलाई जा रही हैं, रेलों ने पटना और पुरी के बीच एक साप्ताहिक एक्सप्रेस गाड़ी, कटिहार और सियालदह के बीच दिन की एक गाड़ी चलाने और एक दिन टाटा-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस को गोरखपुर तक तथा जम्मू-तवी-गोरखपुर एक्सप्रेस को बरौनी तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया है।

झंझारपुर रेलवे स्टेशन से चलने वाली रेलगाड़ियों में आरक्षित सीटों/शायिकाओं का ब्यौरा

4778. **श्री रामदेव भंडारी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पूर्वोत्तर रेलवे के झंझारपुर रेलवे स्टेशन से बड़ी लाइन पर चलने वाली रेल-गाड़ियों में आरक्षित शायिकाओं/सीटों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या स्थानीय यात्री तथा उनके संगठन आरक्षित शायिकाओं/सीटों की संख्या में वृद्धि किये जाने की मांग कर रहे हैं;

(ग) क्या सरकार वर्तमान आरक्षित कोटे में वृद्धि करने वाली है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ): (क) झंझारपुर रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध आरक्षण कोटा नीचे दिया गया है :-

गाड़ी	शयनयान बर्थ
5253 अप वैशाली एक्सप्रेस	-4
3020 डाउन गोरखपुर-हावड़ा एक्सप्रेस	-4
3026 डाउन नार्थ-बिहार एक्सप्रेस	-4
5028 डाउन मौर्य एक्सप्रेस	-2
8182 डाउन टाटा एक्सप्रेस	-2
5207 अप आम्रपाली एक्सप्रेस	-3

(ख) जी हां।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

पाठ्य पुस्तकों तथा अन्य लेखन सामग्री की सुपुर्दगी

4779. **श्री लक्खीराम अग्रवाल:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि प्रकाशक परेषकों द्वारा गंतव्य रेलवे स्टेशन पर माल मंगाकर न छुड़ाने की स्थिति में पाठ्य पुस्तकों तथा अन्य लेखन सामग्री के अपने परेषण सामान को वापस लेने के लिए प्रकाशकों/परेषकों को गंतव्य रेलवे स्टेशन पर ही जाना पड़ता है;

(ख) यदि हां तो इसके क्या कारण है;

(ग) क्या पाठ्य पुस्तकों तथा अन्य लेखन सामग्री के परेषण को उन्हें पुनः बुक करवाने पर वापस भेजने की सुविधा वापस ले ली गई है; और

(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है। ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ)

(क) से ( ) सी पों के लि

पार्सलों की बुकिंग पर माल भाड़े का पूर्व भुगतान करना आवश्यक है । पार्सलों की पुर्नबुकिंग के लिए भी प्रेषक को दत्त पार्सल रवन्ना को जारी करने के लिए माल भाड़ा प्रभारों का भुगतान करना अपेक्षित होता है । इस प्रकार का भुगतान या तो व्यक्तिगत तौर पर या एजेन्ट के द्वारा यह मनीआर्डर द्वारा किया जा सकता है । परेषिती द्वारा पार्सल परेषणों की सुपुर्दगी न लेने के मामले में रेलवे की आमदनी में होने वाली हानि से बचने के लिए रेले पार्सल परेषणों के लिए माल भाड़ा प्रभार के भुगतान पर जोर देती हैं।

झारखंड आंदोलन के कारण रेल विभाग को हुआ घाटा

4780. **श्री दिलीप सिंह भूरिया:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान झारखंड आंदोलन तथा अन्य आकस्मिकताओं के कारण रेल विभाग को हुए घाटे का वर्ष–वार ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रत्येक वर्ष में रेल विभाग को हुए घाटे के साथ ही उक्त कारणों से रेल–सेवा किस सीमा तक प्रभावित हुई है;

(ग) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) स्थिति से निपटने तथा रेल संपत्ति की सुरक्षा हेतु उठाये गये कदमों का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ):

(क) और (ख): पिछले तीन वर्षों के दौरान झारखंड आंदोलन तथा अन्य आकस्मिकताओं के कारण रेलों को हुई हानि इस प्रकार है :–

वर्ष	मामले			उठाई गई अनुमानित हानि (लाख रुपयों में)
	तोड़–फोड़ और आगजनी के	पटरी से उतरने के	बाधा पड़ने के	
1991	8	5	8	5.16
1992	6	3	19	0.47
1993	41	8	57	48.86

(ग) और (घ) चूंकि यह समस्या कानून एवं व्यवस्था की है इसलिए स्थिति से निपटने और रेल संपत्ति को क्षति से बचाने के लिए राज्य के पुलिस प्राधिकारियों से निकट संपर्क बनाए रखा जाता है। रात–दिन भेद्य स्थलों महत्वपूर्ण संस्थापनाओं की चौकसी की जाती है, रेल पथ पर गश्त लगाई जाती है, दो स्टेशनों के बीच रेल लाइनों के आस-पास सशस्त्र पहरेदारी की जाती है । इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण गाड़ियों के आगे–आगे सशस्त्र रक्षकों की देख–रेख में पायलट इंजन चलाए जाते हैं। ट्रालियों मोटरट्रालियों तथा टावर मालडिब्बों द्वारा व्यापक रूप से गश्त भी लगाई जाती है।

रेल लाइनों के गेज–परिवर्तन के लिए निर्धारित लक्ष्य

4781. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में मंडल–वार और राज्य-वार गेज-परिवर्तन की योजना कब तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है;